

KEVA

कीवा ऐन्ड्रिअन्ट मिनरल्स ड्रॉप्स



क्या आपका आहार पूरी कर रहा है मिन्डरल की जरूरत?



मिन्डरल शरीर को स्वस्थ और रोग मुक्त रखते हैं। कुछ मिन्डरल की जरूरत शरीर को अधिक होती है तो कुछ को कम मात्रा में लेना ही काफी होता है। इन्हें ट्रेस मिन्डरल कहते हैं।



KEA

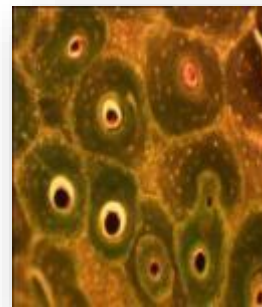


आजकल का बिजी लाइफ स्टाइल, फास्ट फूड, फसलों में अधिक कीटनाशकों का इस्तेमाल इत्यादि कुछ ऐसे कारण हैं जिनसे हमें वो सारे मिनरल नहीं मिल पाते जो अत्यावश्यक हैं।



मिनरल की कमी से शरीर को नुकसान

क्या आप जानते हैं आज कल अधिकतर रोगों का कारण शरीर को सही मात्रा में मिनरल का ना मिल पाना है।



मिनरल की कमी से शरीर को नुकसान

प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर

कमजोर हड्डियां

थकावट

बालों एवं त्वचा की समस्या



KEVA



डॉक्टर कैरोलिन डीन, ऐम.डी, ऐन.डी के अनुसार मिनरल की कमी निम्न लिखित का कारण बन सकता है— चिंता तथा घबराहट, अवनमन (depression) डीटॉक्सिफिकेशन, शूगर, थकान, हृदय रोग, रक्त चाप, हाईपोग्लाइसेमिया, अनिद्रा, गुर्दा रोग, कलेजे का रोग, सिर दर्द, माँसपेशियों और हड्डियों से सम्बन्धित परिस्थितियाँ (musculoskeletal conditions) तंत्रिका समस्याएँ (nerve problems) गाइनीकोलोजिकल समस्याएँ, रेनौड्स सिन्ड्रोम, दाँतों में सडन।

KEVA

कीवा इंडस्ट्रीस द्वारा पेश है

कीवा ऐन्शिअन्ट मिनरल ड्रॉप्स





यूरोप में पृथ्वी की परत के 2 मील नीचे, 25 करोड़ वर्ष पुराने अछूते समुद्रतल से उपलब्ध

84 आयोनिक ट्रेस मिनरल से सम्मिलित

मिनरल की कमी के कारण होने वाली 900 से ज्यादा बीमारियों से लड़ने में सहायक

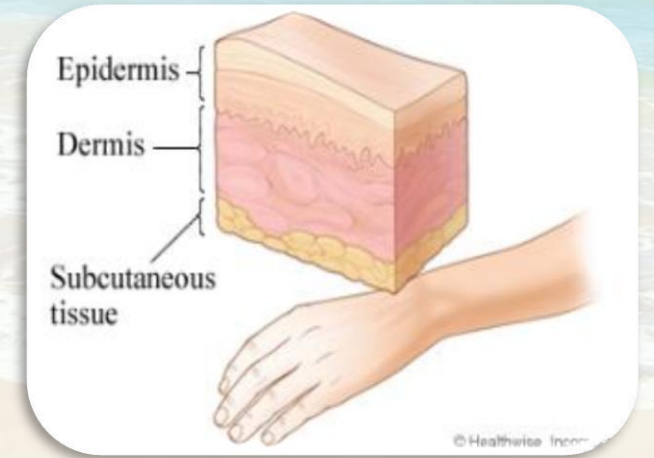
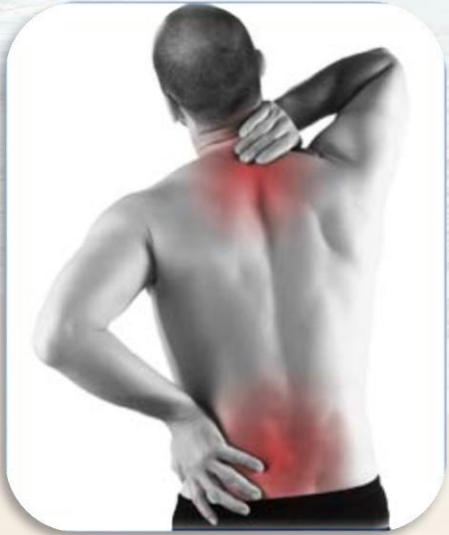
KEVA



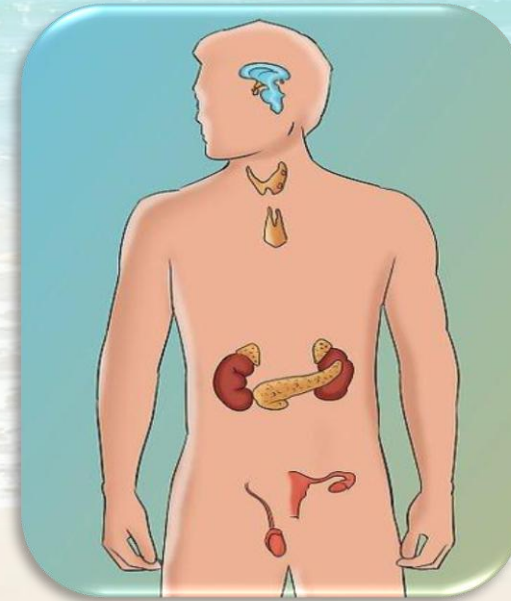
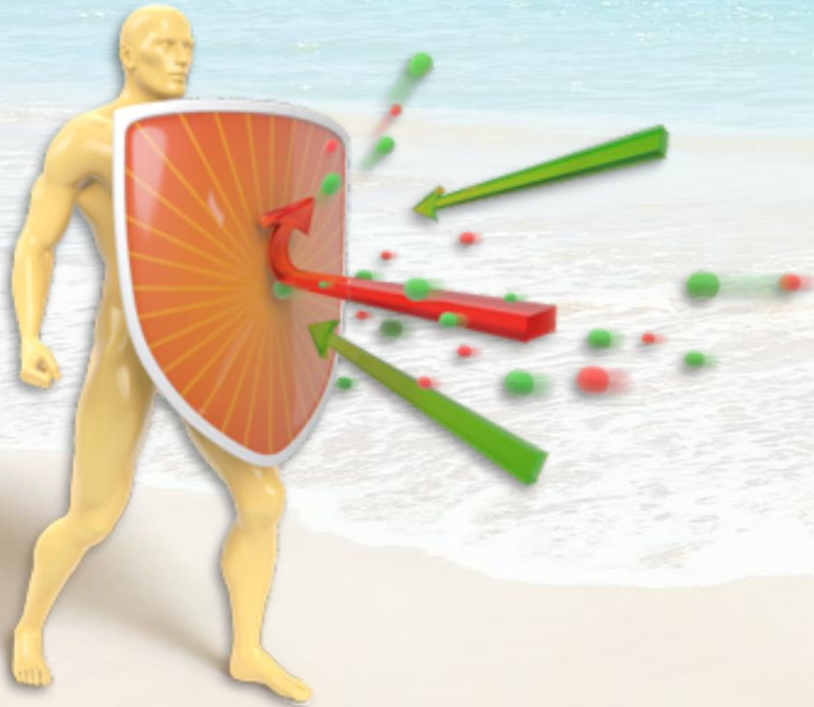
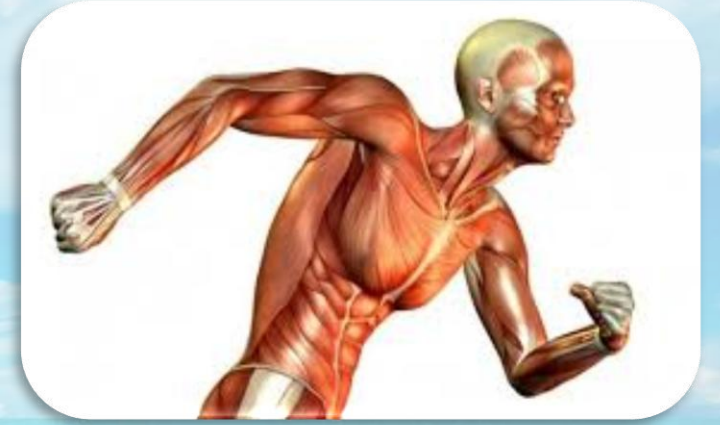
लाभ



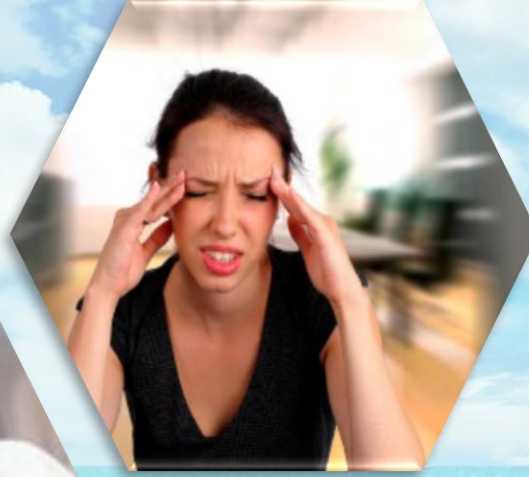
- ✓ त्वचा सम्बन्धी समस्याओं से बचाता है
- ✓ शरीर से विशैले तत्वों को बाहर निकालता है
- ✓ दर्द, तकलीफ आदि से राहत देता है
- ✓ चिंता सम्बन्धी विकारों को कम करता है



- ✓ मांसपेशियों को उचित ढंग से क्रियाशील बनाता है
- ✓ बीमारियों से लड़ने में लाभकारी है
- ✓ हार्मोनल प्रणाली को संतुलित बनाता है



KEVA



- ✓ अच्छी नींद लाने में सहायक है
- ✓ रक्तचाप, सिर दर्द, गठिया आदि विकारों को प्रबंधित करता है
- ✓ स्वस्थ रक्त शर्करा के स्तर को बनाए रखता है
- ✓ हड्डियों, जोड़ों तथा दातों में मजबूती लाता है

- ✓ न्यूरो विकारों के लिए उपयोगी है
- ✓ हृदय को स्वस्थ रखने में सहायक है
- ✓ अधिक उर्जा, जीवन शक्ति और स्वास्थ्य में सुधार लाता है



यह मानव शरीर में कैसे काम करता है?



मूत्रीय प्रणाली



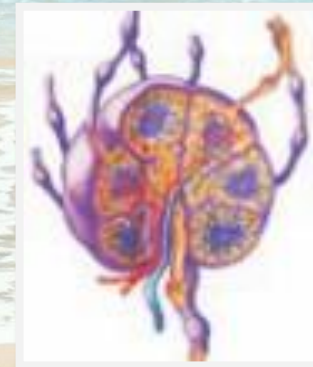
अंतडियाँ



त्वचा



फेफड़े



लिम्फैटिक प्रणाली



कलेजा

पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र



- हलाल प्रमाणित
- कोशर प्रमाणित
- अंतर्राष्ट्रीय जी.एम.पी नियमों के आधार पर तैयार

उपयोग कैसे करें

आंतरिक उपयोग के लिए अनुशंसित खुराक:—



अलग-अलग आयु वर्ग के व्यक्तियों लिए साप्ताहिक खुराक

आयु	प्रथम सप्ताह	द्वितीय सप्ताह	तृतीय सप्ताह	चतुर्थ सप्ताह
4-6	1 बूँद प्रतिदिन	2 बूँदें प्रतिदिन	4 बूँदें प्रतिदिन	6 बूँदें प्रतिदिन
7-10	1 बूँद सुबह 1 बूँद शाम	3 बूँदें सुबह 3 बूँदें शाम	5 बूँदें सुबह 5 बूँदें शाम	7 बूँदें सुबह 7 बूँदें शाम
11-15	2 बूँदें सुबह 2 बूँदें शाम	4 बूँदें सुबह 4 बूँदें शाम	6 बूँदें सुबह 6 बूँदें शाम	8 बूँदें सुबह 8 बूँदें शाम
16-20	3 बूँदें सुबह 3 बूँदें शाम	5 बूँदें सुबह 5 बूँदें शाम	7 बूँदें सुबह 7 बूँदें शाम	9 बूँदें सुबह 9 बूँदें शाम
21 वर्ष एवं इससे ऊपर	4 बूँदें सुबह 4 बूँदें शाम	6 बूँदें सुबह 6 बूँदें शाम	8 बूँदें सुबह 8 बूँदें शाम	10 बूँदें सुबह 10 बूँदें शाम

अपने पीने के पानी में इन बूँदों को मिलाएँ

इसे लेने का नियम:-

- इसके अच्छे परिणाम के लिए इसे दिन में दो बार लेना चाहिए यानि सुबह और शाम, खाली पेट में।
- इसे सिर्फ काँच के गिलास में ही डाल कर पीयें और कम से कम आधे घण्टे बाद ही कुछ खायें।
- इसे लेने के लिए गुनगुने अथवा कमरे के तापमान जितने पानी का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है क्योंकि मानव का शरीर ऐसा पानी 100 प्रतिशत स्वीकार करता है।
- **KAMD** को घूँट-घूँट पीना चाहिए। इसे अन्दर ले जाने से पहले इसके दो-तीन घूँट मुँह में डाल कर इधर-उधर घुमाना चाहिए।
- इसे पीने के लिए स्टील या अन्य धातु का उपयोग न करें और इसे घोलने के लिए स्टील आदि का चम्मच भी उपयोग न करें।



इसे लेने का नियम:-

KEVA



- इसे दूध या अन्य किसी उत्पादन से न मिलाएँ जो डेयरी आदि में निर्मित हो।
- इसे गर्म पदार्थों में भी ना डालें जैसे चाय, गर्म भोजन इत्यादि।
- **KAMD** के साथ अधिक या प्रचुर मात्रा में पानी पीने की सलाह दी जाती है। कम से कम 3 लीटर पानी प्रतिदिन पीना चाहिए।
- हृष्ट-पुष्ट व्यस्क पहले महीने **KAMD** को खुराक तालिका के अनुसार ले सकते हैं तथा बाद में धीरे-धीरे इसकी मात्रा कम करके 10 बूँदें प्रतिदिन तक रख सकते हैं।
- कोई भी रोगी यदि गठिया, मधुमेह (शुगर), कैंसर अथवा अस्थमा आदि बीमारियों से ग्रसित है तो उन्हें चार हफ्तों के बाद इसकी मात्रा 25-30 बूँदें प्रतिदिन तक कर देनी चाहिए। लेकिन यदि इस कोर्स के दौरान कोई भी जलन आदि महसूस हो तो **KAMD** की मात्रा को धीरे-धीरे कम कर देना चाहिए।



इसे लेने का नियम:-

- इच्छा व जरूरत के अनुसार संयमित मात्रा में इसे बढ़ाना फायदेमंद है परन्तु अत्यधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है एवं बुरे प्रभाव डाल सकती है।
- यदि अवसाद या ब्लड प्रेशर के रोगी इसे शुरू करना चाहते हैं तो उन्हें सलाह है कि वे प्रारम्भ में इसे 5 बूँदें प्रतिदिन के साथ शुरू करें और धीरे-धीरे मात्रा में बढ़ोतरी कर लें। यदि इसे पीने से ब्लड प्रेशर बढ़ता है तो मात्रा कम कर दें और प्रचुर मात्रा में पानी पीएं।
- शुगर के मरीजों में ब्लड शुगर शुरू में बढ़ सकता है इसलिए प्रतिदिन 5 बूँदें लेने की सलाह दी जाती है। यदि इसे पीने से ब्लड शुगर बढ़ता है तो मात्रा कम कर दें और अधिक मात्रा में पानी पीएं।
- यदि कोई रोगी, जिसका खून बदला जाता है, इसे लेना चाहे तो 1-2 बूँद प्रतिदिन तब तक ही देनी चाहिए जब तक उन्हें पानी की मात्रा बढ़ाने को न कहा जाए।
- शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने के लिए झुड़क लेते समय अत्यधिक मात्रा में पानी पीना अति आवश्यक है। पानी की कमी या प्रचुर मात्रा में पानी का न होना, कई प्रभाव डाल सकता है जैसे- सिरदर्द, आँखों में जलन, कब्ज, शरीर पर छोटे-छोटे दाने आदि।



बाहरी उपयोग के लिए अनुशंसित मात्रा:—

KVA



त्वचा रोगों के लिए:



- त्वचा के लिए कोई भी अधिकतम उपयोग करने की सलाह नहीं दी जाती। त्वचा उतना ही ग्रहण करती है जितने को आसानी से सोख सकें, इसलिए केवल कुछ बूँदें त्वचा पर लगा कर उसकी अच्छी तरह से मालिश करें ताकि वह त्वचा के पोरों से होकर उसके भीतर तक चली जाएं।
- आरंभ में सिर्फ 20 बूँदों का इस्तेमाल करें व यदि आवश्यकता हो तो धीरे-धीरे इसकी मात्रा बढ़ाते जाएं।
- अच्छी तरह मालिश करें ताकि त्वचा इसे पूर्ण रूप से ग्रहण कर ले। ऐसा करने से कील, मुँहासे व दाग, धब्बे इत्यादि अथवा अन्य त्वचा रोग जैसे त्वचाशोथ (dermatitis), सराइसिस (psoriasis) आदि की शिकायत दूर होती है।
- ये आरंभिक 20 बूँदें शरीर के किसी एक अंग पर ही लगाएँ या जहाँ- जहाँ जरूरत महसूस हो।
- यदि KAMD लगाने से त्वचा पर अत्यधिक जलन या सनसनाहट अनुभव हो तो इसकी मात्रा कम कर दें। कुछ बार इसका इस्तेमाल करने से त्वचा स्वयं को KAMD को संतुलित करने में परिपक्व हो जाती है।
- इस्तेमाल करते समय आँखों व अन्य संवेदनशील अंगों का विशेष ध्यान रखें।
- इच्छा व जरूरत के अनुसार संयमित मात्रा में इसे बढ़ाना फायदेमंद है।
- अच्छे परिणामों के लिए KAMD का रोजाना नहाने के बाद तथा सोने से पहले इस्तेमाल करें।

घुटनों और पैरों के जोड़ों में दर्द, कंधे और गर्दन में दर्द, पीठ दर्द, सिरदर्द के लिए:-

- शुरु मे केवल 20 बूँदों का उपयोग करें फिर इसकी मात्रा बढ़ाकर 30 बूँदों तक कर दें व अन्ततः आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 40 बूँदों तक ले जाएँ।
- इसे त्वचा पर लगाने के बाद अच्छे से मालिश करें ताकि त्वचा इसे अच्छे से सोख ले। इससे घुटनों और पैरों के जोड़ों में दर्द, कंधे और गर्दन में दर्द, पीठ दर्द, सिरदर्द आदि जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।
- ये आरंभिक 20 बूँदें शरीर के किसी एक अंग पर ही लगाएँ या जहां- जहां दर्द महसूस हो।
- यदि KAMD लगाने से त्वचा पर अत्यधिक जलन या सनसनाहट अनुभव हो तो इसकी मात्रा कम कर दें। कुछ बार इसका इस्तेमाल करने से त्वचा स्वयं को KAMD को संतुलित करने में परिपक्व हो जाती है।
- इच्छा व जरूरत के अनुसार संयमित मात्रा में इसे बढ़ाना फायदेमंद है।
- अच्छे परिणामों के लिए KAMD का रोजाना नहाने के बाद तथा सोने से पहले इस्तेमाल करें।
- KAMD का इस्तेमाल रोजाना की आदत की तरह कुछ महीनों तक करें।



आंतरिक विकारों के लिए

- सोने से पहले नियमित रूप से अपने पैरों की मालिश करें। इससे आपको हाई ब्लड प्रेशर, गठिया, शुगर, न्यूरो संबंधी विकार (जहनी बीमारी) इत्यादि से राहत मिलेगी व यह आपकी हड्डियों और जोड़ों को भी मजबूती प्रदान करेगा।
- सर्वप्रथम 20 बूँदें प्रतिदिन के हिसाब से शुरू करें, एक सप्ताह पश्चाप इसकी मात्रा 30 बूँदों तक कर दें व अन्ततः आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 40 बूँदों तक ले जाएँ।
- यदि **KAMD** लगाने से त्वचा पर अत्यधिक जलन या सनसनाहट अनुभव हो तो इसकी मात्रा कम कर दें। कुछ बार इसका इस्तेमाल करने से त्वचा स्वयं को **KAMD** को संतुलित करने में परिपक्व हो जाती है।
- यदि 2 से 3 सप्ताह के इस्तेमाल के पश्चात (मालिश द्वारा) भी किसी अंतर का अनुभव न हो तो इससे समझना चाहिए कि शरीर में मैग्नीशियम की मात्रा अत्यन्त कम है। ऐसी स्थिति में सप्ताह में दो बार पूरे शरीर की **KAMD** से मालिश करें।
- सम्पूर्ण शरीर की मालिश से अभिप्राय है, पूरे हाथों, पैरों, पीठ व गर्दन की मालिश।
- ये आरंभिक 20 बूँदें शरीर के किसी एक अंग पर लगाएँ जैसे 20-20 बूँदें हाथों पर, 20-20 बूँदें पैरों पर इत्यादि।
- इस्तेमाल करते समय आँखों व अन्य संवेदनशील अंगों का विशेष ध्यान रखें।
- इच्छा व जरूरत के अनुसार संयमित मात्रा में इसे बढ़ाना फायदेमंद है।
- अच्छे परिणामों के लिए **KAMD** का रोजाना सोने से पहले इस्तेमाल करें।



स्वस्थ जीवन के लिए

- प्रतिदिन पैरों की मालिश **KAMD** से करने से स्वस्थ जीवन जीने में मदद मिलती है। यह आपको ताजगी का अनुभव प्रदान करेगा।
- सप्ताह में दो बार **KAMD** से सम्पूर्ण शरीर की मालिश करने से तनाव से मुक्ति पाने में सहायता मिलेगी व **KAMD** शरीर को स्फूर्ति प्रदान कर अन्य आवश्यक तत्वों की पूर्ति कर आपको स्वस्थ रखेगा।
- सर्वप्रथम 20 बूँदें प्रतिदिन के हिसाब से शुरू करें, एक सप्ताह पश्चात् इसकी मात्रा 30 बूँदों तक कर दें व अन्ततः आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 40 बूँदों तक ले जाएँ।
- यदि **KAMD** लगाने से त्वचा पर अत्यधिक जलन या सनसनाहट अनुभव हो तो इसकी मात्रा कम कर दें। कुछ बार इसका इस्तेमाल करने से त्वचा स्वयं को झड़क को संतुलित करने में परिपक्व हो जाती है।
- इस्तेमाल करते समय आँखों व अन्य संवेदनशील अंगों का विशेष ध्यान रखें।
- इच्छा व जरूरत के अनुसार संयमित मात्रा में इसे बढ़ाना फायदेमंद है।
- अच्छे परिणामों के लिए झड़क का रोजाना सोने से पहले इस्तेमाल करें।



संपर्क करें

कीवा इंडस्ट्रीस

एक आई.एस.ओ 9001:2008 प्रमाणित कंपनी
लेवल 2, प्रेस्टीज ओमेगा,
नं. 104, ई.पी.आई.पी ज़ोन,
वाइटफील्ड, बैंगलोर-560066 (भारत)
वेबसाइट: www.kevaind.org

ध्यानवाद

ध्यानवाद

विशेष: यह उत्पाद किसी विकार या गंभीर बीमारी को दूर करने या उसकी चिकित्सा को ध्यान में रखकर नहीं बनाया गया है। कृपया अपने चिकित्सक से परामर्श लें।